मेहंदीपुर के बाला की महिमा | By Raju Bawra |

मेहंदीपुर के बाला की
महिमा दिखलाऊँगा
जो भी सच है गाऊँगा
सच ही बतलाऊँगा

यह बाला का दर है
हर दर से ऊपर है
बाबा का बचपन है
सारे जग में रोशन है
यह वह दरवाज़ा है
जहाँ रंक भी राजा है
बाबा की रहमत का
अंदाज़ दिखाऊँगा
मेहंदीपुर बाला की

एक सच्ची घटना है
बिल्कुल भी गलत न है
एक जात की बेटी थी
घर में वह छोटी थी
चंचल मतवाली सी
बड़ी भोली-भाली सी
अब तुम सबको उसके घर ले जाऊँगा
मेहंदीपुर के बाला की

हो घर-भर की दुलारी थी
सुंदर सी प्यारी थी
दिन उसका बुरा आया
पड़ गया बुरा साया
बाबली सी हो गई
वह साँवली सी हो गई
अब आओ उस घर के हालात दिखाऊँगा
मेहंदीपुर के बाला की

ना खाती-पीती वह
ना पढ़ती-लिखती वह
मेहंदीपुर के बाला की
महिमा दिखाऊँगा
जो भी सच है गाऊँगा
सच ही बतलाऊँगा

यह बाला का दर है
हर दर से ऊपर है
बाबा का बचपन है
सारे जग में रोशन है
यह वह दरवाज़ा है
जहाँ रंक भी राजा है
बाबा की रहमत का

अंदाज़ दिखाऊँगा
मेहंदीपुर के बाला की

एक सच्ची घटना है
बिल्कुल भी गलत न है
एक सच्ची घटना है
बिल्कुल भी गलत न है
एक जात की बेटी थी
घर में वह छोटी थी
चंचल मतवाली सी
बड़ी भोली-भाली सी
अब तुम सबको उसका
मैं घर ले जाऊँगा
मेहंदीपुर के बाला की

हर वक़्त पागल सी
बस हँसती रहती वह
जब रात में सोती थी
एक आहट होती थी
कोई साया कहता है
मैं तुझे ले जाऊँगा
मेहंदीपुर के बाला की

सब वैद्य-हकीमों को
सब पीर-फ़कीरों को
हो सब वैद्य-हकीमों को
सब पीर-फ़कीरों को
उसको दिखलाते हैं
कुछ समझ न पाते हैं
कुछ फ़र्क नहीं पड़ता
वह परेशान करता
माँ-बाप ने फिर
उसका क्या किया बताऊँगा
मेहंदीपुर के बाला की

गाड़ी में बिठाते हैं
मेहंदीपुर लाते हैं
हो गाड़ी में बिठाते हैं
मेहंदीपुर लाते हैं
वह शोर मचाती है
रोती-चिल्लाती है
फिर उसे बाँध कर
ला बाबा के दर पे
फिर उसे बाँध कर
ला बाबा के दर पे
फिर बाप ने यह बोला
अर्जी लगवाऊँगा
मेहंदीपुर के बाला की

हो वहाँ लगी कचहरी थी

वह ठीक दोपहरी थी
बाबा की अदालत में
ज़ंजीरों से जकड़ी थी
तब प्रेतराज गरजे
और भैरव नाथ गरजे
बाबा का सोता मैं
अभी उठवाऊँगा
मेहंदीपुर के बाला की

हो बेड़ी में कसी लड़की
वह ज़ोर-ज़ोर भड़की
अट्टहास लगाती है
आँखें दिखलाती है
चाहे कुछ भी आतन
इसको नहीं छोड़ूँगा
हर हाल में इसको
ले कर जाऊँगा
मेहंदीपुर के बाला की

फिर आया एक झोंका
और घूम गया सोता
पड़ रहा दनादन
पड़ रहा दनादन
हाँ चीख रहा शैतान
दो छोड़ हमारे प्राण
आवाज़ एक आई
ज़िंदा जलवाऊँगा
मेहंदीपुर के बाला की

फिर मुख से बाबा के
निकली एक ज्वाला सी
उस बुरी आत्मा का
हो गया ख़ात्मा था
लड़की को राहत थी
अब अच्छी हालत थी
मेहंदीपुर के बाला की
जयकार लगाऊँगा

मेहंदीपुर के बाला की
महिमा दिखाऊँगा
जो भी सच है
गाऊँगा सच ही बतलाऊँगा

मेहंदीपुर के बाला की
महिमा दिखाऊँगा
जो भी सच है
गाऊँगा सच ही बतलाऊँगा

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b9%e0%a4%82%e0%a4%a6%e0%a5%80%e0%a4%aa%e0%a5%81%e0%a4%b0-%e0%a4%95%e0%a5%87-

%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%b2%e0%a4%be-%e0%a4%95%e0%a5%80-
%e0%a4%ae%e0%a4%b9%e0%a4%bf%e0%a4%ae/